जिस दिन से लक्ष्य पाने के लिए नींद उड़े समझिये आप सफलता की राह में आगे बढ़ रहे है- आनंद कुमार

बच्चों को दिए करियर टिप्स, कहा पैसे से नहीं मेहनत से मिलती है सफलता

- बच्चों ने फ्लैश लाइट जलाकर सुपर 30 के संस्थापक का किया स्वागत
- खूब मेहनत करें जिससे आपका हस्ताक्षर ऑटोग्राफ में बदल जाए-वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायगढ़

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी की पहल पर रायगढ़ के रामलीला मैदान में बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए 'उत्कर्ष भविष्य की उड़ान' के तहत करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन हुआ। जिसमें सुपर 30 के संस्थापक और गणितज्ञ आनंद कुमार विद्यार्थियों को करियर के टिप्स दिए। मौके पर विद्यार्थियों ने फ्लैश लाईट जलाकर आनंद कुमार का स्वागत किया। इस दौरान कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, जिला पंचायत सीईओ जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार कहा कि यहां आने का उद्देश्य मात्र इतना है कि हम जानते हैं वित्त मंत्री ओ.पी चौधरी जो कार्य करते हैं, पूरी शिद्दत के साथ करते हैं और रायगढ़ में राज्य की सबसे बड़ी लाइब्रेरी नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। आप लोगों को जितनी खुशी हो रही है उससे ज्यादा खुशी मुझे हो रही है। इससे कितने ही बच्चों को पढऩे का सौभाग्य मिलेगा। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी के संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के समान जो सपना देखते हैं, वो अपने सपने को मेहनत के बल पर धरातल पर भी उतार सकते हैं। उन्होंने सपना देखा था और वे अपने मेहनत के बल पर आईएएस भी बने।

आनंद कुमार ने कहा कि जो व्यक्ति अनुभव को जीता है, कष्ट को सहता है और उस कठिन परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखता है उसको सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि भले ही आज का दिन आपका ना हो, जीवन संघर्ष भरा हो, आपके पास सुख-सुविधाएं न हो लेकिन आप जितनी शांति और उत्सुकता के साथ में बैठे हुए हैं और सुन रहे हैं साथ ही मेहनत कर रहे हैं निश्चित तौर पर आने वाला समय आपका होगा।

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि जिले के विकास के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत विभिन्न निर्माण कार्यों के साथ युवाओं के लिए प्रयास विद्यालय, नालंदा परिसर, हॉर्टिकल्चर महाविद्यालय, करियर मार्गदर्शन जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है, ताकि युवाओं को बेहतर दिशा मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी सोच का हिस्सा है कि भारत एक विकसित राष्ट्र बने और हमारे युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम इस विजन पर कार्य कर रहे हैं ताकि आज से 10 साल बाद रायगढ़ जिले को आपके नाम से पहचाना जाए। फिर आप चाहे कोई बड़ा डॉक्टर, बड़ा इंजीनियर, बिजनेसमैन, आईएएस, आईपीएस या बड़े मीडिया पर्सन बने और अपने माता-पिता का नाम के साथ ही रायगढ़ का नाम रोशन करें, जिससे 10 साल बाद आपका हस्ताक्षर ऑटोग्राफ के रूप में बदल जाए। उन्होंने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए खूब मेहनत करने की बात कही।

आनंद कुमार ने उनके संघर्ष पर बने फिल्म सुपर 30 के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने फिल्म के एक किरदार की असल जीवन के संघर्ष की जानकारी देते हुए कहा कि वह बच्चा अभिषेक राज है। उन्होंने बताया कि अभिषेक के माता-पिता कम पढ़े लिखे है लेकिन कहते थे आधा पेट खायेंगे लेकिन बच्चे को पढ़ाएंगे, क्योंकि पढ़ाई में वो ताकत है जो जिंदगी बदल देती है। यह बात हर माता पिता को समझना होगा। वह बच्चा पूरे दिन मेहनत करता था और रात में होटल के बाहर पढ़ाई करता था। अभिषेक ने अपने सपने को मरने नहीं दिया मेहनत किया। जिसे देख के मैने घर के बाकी सदस्य से बात कर, उसे घर लाया और ऐसे 29 और निर्धन जरूरतमंद बच्चो को ढूंढ कर सुपर 30 की शुरुआत की। अभिषेक ने 2 साल संघर्ष और मेहनत के पश्चात केवल एक अटेम्प्ट में आईआईटी खडग़पुर पहुंचा और विभिन्न देशों में नौकरी के पश्चात आज अमेरिका में कार्य कर रहा है। इसी प्रकार शशि नारायण ने ठान लिया था कि सुविधा कम है तो क्या हुआ संघर्ष करेंगे और मेहनत करेंगे। उन्हें अंग्रेजी बिल्कुल नहीं आती थी, लेकिन मेहनत के बल पर आईआईटी खड़कपुर में एडमिशन मिला, लेकिन रैंक कम था। उन्होंने मेहनत करना नहीं छोड़ा और आईआईटी खडग़पुर के रिजल्ट के सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर कंप्यूटर साइंस में प्रमोट हुए और आज गूगल में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कभी मत सोचें कि आप शासकीय स्कूल में पढ़ते है, सुविधाएं कम है तो कुछ नही कर सकते, जो संघर्ष से आगे बढ़ता है उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। उन्होंने निधि झा के संघर्ष के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास 17 बैच के 510 बच्चों के संघर्ष की कहानियां है। जिन्हें हमने केवल एक प्लेट फॉर्म दिया लेकिन मेहनत उन्होंने किया। आपको ज्ञान से इनोवेशन की ओर बढऩा है, पढ़ाई का तरीके के साथ कैसे और क्यों को समझे। उन्होंने कहा कि सेल्फ स्टडी करें, दूसरे से कंपटीशन न करें स्वयं देखे क्या कर रहे है। आनंद कुमार ने कहा कि यह जीवन है और लगातार मेहनत करना चाहिए कई बार मेहनत करने के पश्चात पढ़ाई में मन नहीं लगता, आलस आने लगती है, पढ़ाई में इंटरेस्ट खत्म होने लगती है, यह अच्छी बात नहीं है। जिस दिन आप अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पित हो जाएंगे उसे दिन से आपकी नींद उड़ जाएगी।

आनंद कुमार ने बच्चों को सफल होने के दिए टिप्स

आनंद कुमार ने सभी बच्चों से कहा कि पढ़ाई के प्रति प्रबल भूख होनी चाहिए, जब तक आप अपने लक्ष्य के आपको निरंतर मेहनत करनी होगी। आपको हमेशा पॉजिटिव थिंकिंग रखना होगा। आपको स्वयं पर विश्वास रखना होगा कि आप सफल होंगे। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। बिना थके अथक प्रयास करते रहें। कभी मन भटकता है और मन में आता है कि यह कार्य नहीं हो पाएगा। तब हमें असीम धैर्य बनाए रखना होगा, क्योंकि जितनी कठिनाई आएगी, बर्दाश्त करेंगे, जितना अंधेरा होगा तो सोच लेना उजाला उतना ही नजदीक है।

महत्वपूर्ण एवं खास

जगदलपुर एयरपोर्ट के लिए 20.40 करोड़ स्वीकृत, सुरक्षा और सुविधाएं बढ़ेंगी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने एअर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए एक और कदम उठाते हुए जगदलपुर एयरपोर्ट के सुधार कार्यों के लिए 20.40 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। यहां एयरस्ट्रिप को उन्नत बनाया जाएगा, जिससे एयरपोर्ट की सुरक्षा और संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। आपातकालीन परिस्थितियों में विमानों को सुरक्षित खड़ा करने के लिए आइसोलेशन बे बनाया जाएगा। एयरपोर्ट तक पहुंचने वाली सडक़ों को चौड़ा किया जाएगा, जिससे यातायात में सुगमता आएगी। एयरपोर्ट के चारों ओर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वायर फेंसिंग का निर्माण होगा। इन सुधार कार्यों से जगदलपुर एयरपोर्ट की कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह कदम राज्य में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करेगा, जिससे यात्रियों और एयरलाइंस को बेहतर अनुभव मिलेगा।

अंबिकापुर एयरपोर्ट का सुधरेगा बुनियादी ढांचा, 27.92 लाख मंजूर

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने एअर कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास कार्यों के लिए 27.92 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। यह राशि एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और संचालन क्षमता को बेहतर बनाने में खर्च की जाएगी। इन सुधारों से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और एयरपोर्ट संचालन अधिक कुशल बनेगा। अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापार, पर्यटन और परिवहन क्षेत्र को नई गति मिलेगी। राज्य सरकार का यह कदम छत्तीसगढ़ को बेहतर हवाई संपर्क प्रदान करने के लक्ष्य का हिस्सा है।

गरियाबंद जिले के 26 पुलिसकर्मियों का एसपी ने किया ट्रांसफर

गरियाबंद-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले तैनात किए गए नए एसपी निखिल राखेचा ने ज्वाइन करते ही एक्शन मोड में आ गए हैं. उन्होंने सोमवार देर रात जिले के 26 पुलिस कर्मियों के ट्रांसफर का आदेश जारी कर दिया. इनमें एक एएसआई, 6 प्रधान आरक्षक, 18 आरक्षक और 1 डीसीपी रैंक का अधिकारी शामिल हैं। गरियाबंद जिले के नए एसपी निखिल राखेचा ने देर रात जारी आदेश में कुल 26 पुलिस कर्मियों को ट्रांसफर का आदेश जारी किया है. माना जा रहा है कि नए एसपी राखेचा ने जिले में तैनात पुलिस कर्मियों के काम में कसावट लाने के लिए ट्रांसफर का आदेश जारी किया है।

रायगढ़ में नौकरी लगाने के नाम पर 30 लाख की ठगी का पर्दाफाश: कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

रायगढ़

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी कौशल प्रसाद कौशिक (66 वर्ष) के साथ 30.61 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने 01 दिसंबर को रायगढ़ के सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत की गई। एसपी दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन एवं एडिशनल एसपी आकाश मरकाम व डीएसपी अभिनव उपाध्याय के मार्गदर्शन पर कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई कर इस बड़े फर्जीवाड़े में मुख्य आरोपी यशवंत पटनायक को गिरफ्तार कर लिया है, धोखाधड़ी में शामिल अन्य आरोपी सतीश साहू और निर्मला निषाद की तलाश जारी है।

कैसे हुई ठगी ?

घटना की शुरुआत 2016 में हुई, जब गेवरा परियोजना में कार्यरत कौशल प्रसाद ने अपने सहकर्मी के रिश्तेदार निर्मला निषाद से बच्चों की नौकरी के बारे में चर्चा की। निर्मला ने रायगढ़ निवासी सतीश साहू का परिचय दिया। सतीश ने नौकरी का झांसा देकर कौशल प्रसाद से पहले 1,17,000 रुपये नकद और बैंक खातों में मंगवाए।

वर्ष 2018 में सतीश ने यशवंत पटनायक निवासी ग्राम गोढ़ी, तमनार से मुलाकात कराई, जिसने जिंदल कंपनी में नौकरी दिलाने और जमीन दिलाने का झांसा देकर 29,44,800 रुपये की ठगी की। कुल मिलाकर आरोपियों ने 30,61,800 रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

जमीन के नाम पर नया झांसा

वर्ष 2022 में, यशवंत ने फिर ठगी का नया जाल बिछाया। उसने जिंदल कंपनी के सोलर प्लांट के लिए गोढ़ी गांव में जमीन चिन्हित होने और बाजार मूल्य से कम कीमत पर जमीन दिलाने का झांसा दिया। कौशल प्रसाद और उनके मित्र ने जमीन देखने गए, लेकिन गांव में जमीन या कागजात के बारे में कोई प्रमाण नहीं मिला।

जब पैसे वापस मांगने की बारी आई, तो यशवंत ने अप्रैल 2024 में पंजाब नेशनल बैंक का 10 लाख रुपये का चेक व्हाट्सएप पर भेजा। बैंक जाने पर पता चला कि यशवंत का खाता दो साल पहले ही बंद हो चुका है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

ठगी का शिकार होने के बाद कौशल प्रसाद ने 1 दिसंबर 2024 को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना कोतवाली में आरोपी सतीश साहू, यशवंत पटनायक और आरोपिया निर्मला निषाद के विरूद्ध अप.क्र. 727/2024 धारा 420, 34 भादंवि के तहत पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी यशवंत पटनायक पिता स्व. विश्वनाथ पटनायक उम्र 49 साल निवासी ग्राम गोढ़ी, थाना तमनार जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। यशवंत ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने बैंक खाते और फोन पे के जरिए करीब 10 लाख रुपये हड़पे हैं। पुलिस ने आरोपी यशवंत पटनायक को रिमांड पर भेजा गया है, फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जांच टीम की भूमिका

इस कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सुखनंदन पटेल और विवेचना अधिकारी सहायक उप निरीक्षक इगेश्वर यादव ने अहम भूमिका निभाई। जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले में पीड़ित को न्याय दिलाया जाएगा।

मछुआरों के जाल में फंसी 65 किलो 6 फुट लंबी मछली

कवर्धा-रायपुर। आरएनएस

जिले के सरोदा जलाशय में मछुआरों को सोमवार को मछली पकडऩे के दौरान 65 किलो की विशाल मछली मिली, जो लोगों के कौतूहल का विषय बन गई है। मछुआरों ने सुबह के समय सरोदा जलाशय में मछली पकडऩे के लिए जाल डाला था। अचानक जाल भारी हो गया और मछुआरे को लगा कि कोई बड़ा पत्थर या भारी वस्तु जाल में फंस गई है। जब उन्होंने जाल खींचने की कोशिश की, तो वह असफल रहे। इसके बाद अन्य मछुआरों को बुलाया गया और तीन साथियों की मदद से जाल बाहर निकाला गया। बाहर निकालते ही मछुआरों ने देखा कि उसमें 6 फीट लंबी और 65 किलो वजनी विशाल मछली फंसी हुई थी। मछली को देख लोग काफी उत्साहित नजर आए। विशेषज्ञ ने बताया कि यह ब्लैक कार्प प्रजाति की मछली है, जिसका शरीर फ्यूसीफॉर्म होता है। वे गहरे भूरे, भूरे या नीले काले रंग के दिखाई देते हैं और उनके पंख गहरे रंग के होते हैं। सरोदा जलाशय कबीरधाम जिले की मध्यम सिंचाई परियोजना का हिस्सा है। जलाशय का उपयोग मछली पालन के लिए किया जाता है। यहां की तीन प्रमुख मछुआरा समितियां- नेताजी मछुआरा समिति, श्रीराम मछुआ सहकारी समिति, और केवट मछुआरा समिति को यह जलाशय पट्टे पर दिया गया है। मछली पालन विभाग के अनुसार जलाशय स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर शासकीय मेडिकल कालेजों में वित्तीय सुधारों की दिशा में बड़ा कदम

- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में शासकीय मेडिकल कालेजों की स्वशासी सोसायटियों की हुई बैठक
- चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों में वृहद प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधारों का हुआ अनुमोदन
- स्थानीय स्तर पर बड़े निर्णय ले सकेंगी स्वशासी सोसाइटियां, प्रबंधकारिणी समिति को 2 करोड़ रूपए तक के अनुमोदन का मिला अधिकार
- राज्य गठन के बाद पहली बार नियमों में संशोधन, अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षक के बढ़े अधिकार

रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विष्णु के सुशासन में राज्य सरकार जनहित में लगातार नीतिगत निर्णय ले रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस दिशा में प्रयास करते हुए अपने सुझाव सामने रखे थे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के स्वशासी सोसायटियों की बैठक में आज चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों के वित्तीय विकेंद्रीकरण के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण एवं जनहित के निर्णय लिए गए हैं। इन निर्णयों से महाविद्यालय स्तर पर स्वशासी सोसायटियों का सुदृढ़ीकरण होगा, आवश्यक कार्यों के लिए शासन पर निर्भरता कम होगी, अतिआवश्यक कार्य समय-सीमा पर संपन्न हो सकेंगे और तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर ही हो जाएगी।

चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालों के लिए अतिआवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी मरम्मत एवं रख-रखाव, कन्ज्यूमेबल सामग्री इत्यादि की तात्कालिक उपचार के लिए आवश्यकता पड़ती रहती है। लेकिन मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों के पास इन्हें खरीदने अथवा मरम्मत के लिए बहुत ही सीमित शक्तियों का प्रावधान था। इसकी वजह से इन्हें शासन स्तर के निर्णय पर निर्भर रहना पड़ता था। ये नियम छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व से चला आ रहा था। राज्य गठन के बाद पहली बार वित्तीय अधिकारों के नियम मे संशोधन किया जा रहा है।

पहले मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों को 1 लाख रूपए से ऊपर के लघु निर्माण, मरम्मत, दवा खरीदी इत्यादि कार्यों के लिए मंत्रालय स्तर पर फाइल भेजनी पड़ती थी। नए निर्णय से अब इनके पास 10 लाख रूपए तक का वित्तीय अधिकार होगा। इसके लिए शासन स्तर से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। औजारों एवं लघु उपकरणों की खरीदी अथवा मरम्मत के लिए 1 लाख रूपए तक का वित्तीय अधिकार था जिसे अब बढ़ाकर 10 लाख रूपए करने की सहमति स्वशासी समिति की बैठक में दी गयी है। इसी तरह से भण्डार तथा रिएजेंट की खरीदी के लिए 20 हजार रूपए तक की शक्तियां थी जिन्हें बढ़ाकर अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षक को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने की अनुशंसा की गयी है। इस वित्तीय विकेंद्रीकरण से स्वाशासी समिति कार्य संपन्न बनेगी और बहुमूल्य समय की बचत होगी। इससे मरीजो को दवाइओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का त्वरित लाभ मिलेगा।

स्वशासी सोसायटियों का पुनर्गठन

राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों की स्वशासी सोसायटियों का गठन महाविद्यालय की स्थापना के साथ अलग-अलग समय पर हुआ है। इन सोसायटियों के लिए कोई एक निर्धारित गाइड लाइन या नियमावली का निर्धारण नहीं किया गया है और इनमें एकरूपता नहीं है। इन सोसायटियों को होने वाली आय व्यय के अनुमोदन के लिए भी कोई मानकीकरण प्रक्रिया नहीं है। इनमें एकरूपता लाने के लिए माडल स्वशासी सोसायटियों का ड्राफ्ट प्रशासकीय विभाग द्वारा अनुमोदित कर जारी किया गया है। पूर्व में सिर्फ सामान्य सभा को ही अधिकार प्राप्त थे, लेकिन नए ड्राफ्ट के अनुसार सामान्य सभा के अधिकारों का विस्तार करते हुए प्रबंधकारिणी समिति और वित्त समिति के अधिकारों में बदलाव किए गए हैं।

इन बदलावों के अनुसार सामान्य सभा को पूर्ण अधिकार के साथ ही अब प्रबंधकारिणी समिति को प्रति कार्य 2 करोड़ रूपए तक अनुमोदन का अधिकार होगा, पहले ये अधिकार नहीं था। वित्त समिति को प्रति कार्य 10 लाख रूपए तक के अनुमोदन का अधिकार दिया गया है, पहले कोई अधिकार नहीं था। केंद्र अथवा राज्य शासन के विभिन्न योजनाओं से स्वशासी समिति को प्राप्त राशि, आवंटन अथवा अनुदान में से सामान्य सभा को खर्च व अनुमोदन का पूर्ण अधिकार होगा वहीं इसी राशि में से प्रबंधकारिणी समिति को 5 करोड़ रूपए तक की राशि के अनुमोदन का अधिकार होगा।

अभी तक राज्य शासन से आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत प्राप्त क्लेम का 25 फीसदी ही संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी सोसायटी को प्राप्त होता था। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में इसे बढ़ाकर 45 फीसदी कर दिया गया है। इसके साथ ही एक बड़ा बदलाव करते हुए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल की अध्यक्षता में ये निर्णय लिया गया है कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों को राज्य बजट से दवाइयां मद तथा भण्डार एवं रिएजेंट मद में प्राप्त बजट का 10 फीसदी राशि का आवंटन होता था। इसे बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया गया है। इन फैसलों से मेडिकल कालेजों को वित्तीय रुप से सशक्त बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण कर मेडिकल कालेजों की स्वशासी सोसायटियों को पुनर्गठित किया गया है।

नवा रायपुर के महानदी भवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्वशासी सोसायटियों को संबोधत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि विष्णु के सुशासन में मेडिकल कालेजों में वित्तीय अनुशासन एवं सुधारों के जरिए बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। ये निर्णय तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है। इन निर्णयों से हम मेडिकल कालेजों को अधिकार संपन्न बना रहे हैं ताकि छोटी जरूरतों के लिए उन्हें निर्भर न रहना पड़े और जनहित में वो आवश्यक निर्णय तत्काल लेकर मरीजों की बेहतरी के लिए काम कर सकें।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग की आयुक्त किरण कौशल उपस्थित थीं। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी स्वशासी सोसाइटी के जनप्रतिनिधि सदस्य, संभाग आयुक्त, संबंधित जिलों के कलेक्टर, मेडिकल कॉलेजों के डीन और अस्पताल अधीक्षक भी बैठक में शामिल हुए।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480